मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE-141

स्नातक कला उपाधि कार्यक्रम (बी.ए.जी. संस्कृत)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एस.के.ई.-141 : आयुर्वेद के मूल आधार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 15 = 75$

(क) आयवंद के अनुसार षड्रस क शरीर पर पड़न वाले प्रभाव को विस्तार से लिखिए।

(ख) वर्षा ऋतु में लिया जाने वाला आहार-विहार कैसा हो ? कैसा न हो ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

(ग) आयुर्वेद की पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

(घ) चरक संहिता (सूत्र स्थानम्) का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ङ) आयुर्वेद के अनुसार विविध ऋतुओं के आहार-विहार पर लेख लिखिए।

खण्ड—ख

2. (I) निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 3 = 15$

(क) स्वास्थ्य में व्यायाम की उपयोगिता

(ख) आयुर्वेद का प्रयोजन और लक्षण

(ग) अष्टविध आयतन

(घ) दोषसाम्य के लक्षण

(II) निम्नलिखित में से किसी **एक** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10

भृगुवै वारुणिः, वरुणं पितरमुपससार अधीहि भगवो ब्रह्मेति। तस्मा एतत्प्रोवाच। अन्नं प्राणं चक्षुः क्षोत्रं मनो वाचमिति। तं होवाच। यतो वा इमानि भूतानि जायन्ते येन जातानि जीवन्ति। यत्प्रयन्त्यभिसंविशन्ति। तद्विजिज्ञासस्व। तद् ब्रह्मेति। स तपोऽतप्यत स तपस्तप्त्वा।

अथवा

अन्नं न निन्द्यात् तद्व्रतम्। प्राणो वा अन्नम् शरीरमन्नादम्। प्राणे शरीरं प्रतिष्ठितम्। शरीरे प्राणः प्रतिष्ठितः। तदेतदन्नमन्ने प्रतिष्ठितम्। स य एतदन्नमन्ने प्रतिष्ठितं वेद प्रतितिष्ठति। अन्नवानन्नादो भवति। महान भवति प्रजया पशुभिर्ब्रह्मवर्चसेन। महान कीर्त्या।